



स्तर -3
कक्षा -5

समृद्ध कार्यक्रम

+ 9 3^x
0⁷ = 6
< 5 >
8 1 2 ÷ 4

मिशन प्रेरणा, उत्तर प्रदेश



स्तर –3
कक्षा –5

समृद्ध कार्यक्रम

मिशन प्रेरणा, उत्तर प्रदेश

संरक्षण	श्रीमती रेणुका कुमार, आई.ए.एस अपर मुख्य सचिव (बेसिक शिक्षा) उ.प्र. शासन, लखनऊ
निर्देशन	श्री विजय किरन आनन्द, आई.ए.एस महानिदेशक, स्कूल शिक्षा एवं राज्य परियोजना निदेशक, समग्र शिक्षा, उ.प्र.
संकल्पना एवं मार्गदर्शन	डॉ. सर्वेन्द्र विक्रम बहादुर सिंह निदेशक, राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, लखनऊ
समन्वयन	श्री आनन्द कुमार पाण्डेय वरिष्ठ विशेषज्ञ एवं प्रभारी, गुणवत्ता, समग्र शिक्षा श्रीमती शिखा शुक्ला विशेषज्ञ, गुणवत्ता, समग्र शिक्षा श्री पी. एम. अन्सारी राज्य सलाहकार, गुणवत्ता शिक्षा, समग्र शिक्षा
परामर्श	श्री अजय कुमार सिंह राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, उ.प्र., लखनऊ श्रीमती दीपा तिवारी राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, उ.प्र., लखनऊ
समीक्षा एवं संपादन	श्री पी. एम. अन्सारी राज्य सलाहकार, गुणवत्ता शिक्षा, समग्र शिक्षा अकादमिक समूह Vikramshila Education Resource Society, Kolkata
लेखन मंडल	देवांकुर , सहायक अध्यापक, पूर्व माध्यमिक विद्यालय भटजन, गाजियाबाद (SRG) मिथिलेश कुमार तिवारी , सहायक अध्यापक, पूर्व माध्यमिक विद्यालय दरवांसी, भदोही (KRP) संदीप कुमार दूबे , सहायक अध्यापक, विद्यालय-पूर्व माध्यमिक विद्यालय रैपुरी, भदोही (ARP) हरिहर पाठक , सहायक अध्यापक, पूर्व माध्यमिक विद्यालय तवक्कलपुर नगरा (हरि. बस्ती), सुलतानपुर डॉ. ओम प्रकाश गुप्त , सहायक अध्यापक, पूर्व माध्यमिक विद्यालय बडेरी, जौनपुर (ARP) मुकेश कुमार यादव , सहायक अध्यापक, पूर्व माध्यमिक विद्यालय, बड़ा गांव, एटा (ARP) पंकज कुमार वर्मा , प्रधानाध्यापक, उच्च प्राथमिक विद्यालय कोटवा, लखीमपुर खीरी (SRG) सुभाष चन्द्र कुशवाहा , प्रधानाध्यापक, प्राथमिक विद्यालय शेखनापुर, लखनऊ दीनबन्धु त्रिपाठी , सहायक अध्यापक, पूर्व माध्यमिक विद्यालय विसुंधरी, सोनभद्र (ARP) डॉ. अरुण कुमार गुप्ता , सहायक अध्यापक, पूर्व माध्यमिक विद्यालय, निजामपुर गौटिया, शाहजहाँपुर (SRG) विवेक कुमार , सहायक अध्यापक, प्राथमिक विद्यालय, मंगलपुरवा, सीतापुर डॉ. जनार्दन सिंह , प्रवक्ता, राज्य शिक्षा संस्थान, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश अकादमिक समूह, Vikramshila Education Resource Society, Kolkata

ले-आउट एवं

ग्राफिक्स डिजाइन : **बुकरकेप**, लखनऊ, उत्तर प्रदेश

आभार : इस पुस्तक के निर्माण में कई स्रोतों से सामग्रियों का उपयोग किया गया है, इसके लिए हम सभी के आभारी हैं।

अनुक्रमणिका

QR code : विवरण	4
प्रेरणा सूची	5
आमुख	6
परिचय	7
समृद्ध कार्यक्रम : लक्षित दक्षताएं और उपदक्षताएं	8
समृद्ध कार्यक्रम : मुख्य पड़ाव	9
शिक्षण के दौरान कक्षा संचालन और आकलन	10
दैनिक शिक्षण योजना	12
द्विमासिक योजना	13
साप्ताहिक योजना	14
लक्षित उप-दक्षताओं का विवरण	22
आकलन टूल	36
आकलन प्रपत्र	39
सतत आकलन प्रपत्र	40

QR Code विवरण



आगामी दो माह की कार्य योजना के कुछ मुख्य पड़ाव



साप्ताहिक योजना-1



साप्ताहिक योजना-2



साप्ताहिक योजना-3



साप्ताहिक योजना-4



साप्ताहिक योजना-5



साप्ताहिक योजना-6



साप्ताहिक योजना-7



साप्ताहिक योजना-8



आकलन टूल-निर्देश

विषय	LO Code	दक्षताएँ
संख्याओं की समझ एवं गणितीय कार्य	M501	बच्चे 8 अंकों की संख्याओं को पहचान सकते हैं, लिख सकते हैं (शब्दों में), तुलना कर सकते हैं, उनको एक क्रम में लगा सकते हैं तथा अंकों का स्थानीय मान पहचान सकते हैं।
	M502	बच्चे 1 लाख तक अंकों को जोड़ और घटा सकते हैं।
	M503	बच्चे गुणा, भाग, जोड़ एवं घटाने से जुड़े शाब्दिक प्रश्न हल कर सकते हैं।
	M504	बच्चे लघुत्तम समापवतर्क और महत्तम समापवतर्क वाले सवाल हल कर सकते हैं।
	M505	बच्चे भिन्न अंकों के गुणा और भाग वाले सवाल हल कर सकते हैं।
	M506	बच्चे प्रतिशत की अवधारणा को जानते हैं-किसी संख्या के 5%, 10%, 25% आदि की गणना कर लेता है।
	M507	बच्चे दशमलव वाली संख्याओं को दशमलव के तीन स्थानों तक जोड़ और घटा सकते हैं।
	M508	बच्चे भिन्न अंक को प्रतिशत में दर्शा या बदल सकते हैं।
	M509	बच्चे आसान सवालों को हल करके औसत की समझ का प्रदर्शन कर सकते हैं, जैसे कि पूर्णांक में दी गई 5 वस्तुओं की औसत लंबाई ज्ञात कर पाना (99 मीटर तक)।
	M510	बच्चे लाभ और हानि से सम्बन्धित सवालों को हल कर सकते हैं।
ज्यामिति और माप	M511	बच्चे एक वृत्त की परिधि, त्रिज्या और व्यास ज्ञात कर सकते हैं और वर्ग, आयत का क्षेत्रफल ज्ञात कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त बच्चे 3D आकृतियों का आयतन निकाल पाते हैं।
	M512	बच्चे कोणों के प्रकार (न्यून, समकोण, अधिक कोण, वृहद कोण) की जानकारी रखते हैं।
	M513	बच्चे चांदे की सहायता से त्रिभुज के तीनों अंतः कोण कोणों का योगफल ज्ञात कर लेते हैं।
सामान्य गणित एवं डेटा संधारण	M514	बच्चे रोजमर्रा के जीवन से जुड़े रुपये, लम्बाई, वजन, समय, आयतन से सम्बन्धित जोड़, घटा, गुणा और भाग सवालों को हल कर सकते हैं।
	M515	बच्चे बस या रेलवे की समय तालिका पढ़ सकते हैं।
	M516	बच्चे किसी वर्ग आलेख, चित्र आलेख या तालिका में दिए गए डेटा को पढ़ और समझ कर सवाल हल कर सकते हैं।



आमुख

वैश्विक महामारी 'कोरोना' ने जहां व्यक्ति, समाज, राष्ट्र एवं हर स्तर पर जीवन को प्रभावित किया है, वहीं इसका एक बड़ा दुष्परिणाम रहा है बच्चों के विकास पर। उनके सतत बढ़ने, सीखने और समझने में कोरोना ने एक ऐसा अवरोध उत्पन्न कर दिया है, जिसके चलते हुए नुकसान को मापना और उसकी भरपाई कर पाना सचमुच कठिन कार्य है। अब जब विद्यालय खुल रहे हैं, तो इस बात को सुनिश्चित करना जरूरी है कि हम पिछले 7-8 माह में बच्चों के लगभग सीखने के टूटे हुए क्रम को पुनः कैसे जोड़ें, ताकि वे सहजता के साथ सीखने-सिखाने की प्रक्रिया में जुड़ पाएँ और प्राथमिक स्तर के बच्चों के विषय में तो यह कार्य और अधिक चुनौतीपूर्ण हो जाता है।

इस उद्देश्य की पूर्ति में कई बाधाएँ हैं जिनके हल एक शिक्षक के स्तर पर हम सब को खुद ढूँढ़ने होंगे। न केवल बच्चे विद्यालय से पूरी तरह से वियोजित रहे हैं बल्कि उनका अपने सामाजिक परिवेश से भी कुछ हद तक अलगाव रहा होगा। पास-पड़ोस, रिश्तेदारी में मेल-जोल से लेकर, शहरी संदर्भों में तो, घर से बाहर तक निकलने में बाधाओं से जूझते हुए बच्चे भी कई तरह की मानसिक एवं भावनात्मक परेशानियों से जूझ रहे होंगे। साथ ही वे स्कूल आने और अपने दोस्तों से मिलने-जुलने को लेकर भी उत्सुक होंगे। ऐसी परिस्थिति में 'कोरोना' से बचाव के उपाय जैसे कि हाथ धोना, उचित दूरी बनाए रखना इत्यादि का भी ख्याल रखा जाना महत्वपूर्ण होगा।

इसके साथ ही जब बच्चे विद्यालय आएंगे तो शिक्षकों को उनके प्रति संवेदनशीलता रखनी होगी और उनकी भावनाओं की अभिव्यक्ति के उन्हें सकारात्मक अवसर प्रदान करने होंगे। कोई भी विषय, चाहे वह गणित ही क्यों न हो, उसे सीखना केवल एक बौद्धिक कार्य नहीं है। भावनात्मक जुड़ाव के बिना सीखना संभव ही नहीं, ऐसा वर्तमान में मनोविज्ञान में हो रहे शोध हमें बता चुके हैं। अब सामान्य परिस्थितियों के लिए भावनात्मक पहलू का ध्यान रखने का महत्व है और हमें यह मानना पड़ेगा कि इन विशेष परिस्थितियों में कितना ज़्यादा ख्याल रखे जाने की जरूरत है।

गणित विषय की चुनौतियाँ यूँ भी कम नहीं हैं— विषय की प्रकृति के चलते इसे समझने में बच्चे कई तरह की कठिनाइयाँ महसूस करते हैं। विद्यालय के खुलने पर यह सुनिश्चित कैसे करें कि बच्चे गणित विषय की बुनियादी दक्षताओं को अर्जित कर आगे की कक्षा के लिए तैयार हो सकें। इसके लिए कुछ बुनियादी अवधारणाओं को चिन्हित कर, उनके लिए उपयुक्त शैक्षणिक अनुभवों और सामग्रियों को एकत्र कर, आपके समक्ष प्रस्तुत किया जा रहा है, ताकि अगले 2 माह के लिए आप एक ऐसी कार्य योजना बना सकें, जिससे बच्चे इन बुनियादी दक्षताओं को प्राप्त कर, लाभान्वित हो सकें।

आगे इस सामाग्री का एक परिचय दिया गया है, जिसमें यह बतलाया गया है कि इसमें क्या चीजें सम्मिलित की गयी हैं और उनका उपयोग किस तरह से किया जा सकता है। आशा है कि इस सामाग्री के माध्यम से आपके कोरोना द्वारा बच्चों के सीखने में बनाई गयी बड़ी खाई को पाटने में मदद मिलेगी और आप इसका भरपूर प्रयोग कर अपने उद्देश्य में सफल होंगे!

इसी शुभेच्छा एवं शुभकामनाओं के साथ यह सामग्री आपके समक्ष प्रस्तुत की जा रही है।

परिचय

यह सामग्री जिसे 'समृद्ध कार्यक्रम' के नाम से आपके साथ साझा किया जा रहा है, आगामी दो माह में कक्षा 1-5 तक के गणित शिक्षण के लिए बुनियादी संख्या-ज्ञान के लक्ष्य निर्धारित करते हुए इस लक्ष्य की पूर्ति के लिए लघु कार्य-योजनाएँ प्रस्तावित करनी हैं और उपयुक्त सामग्री को भी इंगित करती है। इसे साझा करने का उद्देश्य यह है कि इसकी मदद से शिक्षक कोरोना के प्रकोप से बाधित हुए बच्चों के गणित के सिखाने के क्रम को पुनः जोड़ सकेंगे। चूंकि अवरोध की अवधि काफी लंबी है, इसीलिए पहले संख्या-ज्ञान की बुनियादी दक्षताओं से शुरू करने की जरूरत है। गणित विषय की प्रकृति ही कुछ ऐसी है कि अगर शुरुआती अवधारणाओं को सुनिश्चित किए बिना आगे बढ़ें तो सीखना स्वतः बाधित होगा। उदाहरण के लिए, बिना हासिल का जोड़ पक्का करने के बाद ही हासिल वाला जोड़ सीखना संभव होगा, इसीलिए आरम्भ से शुरुआत करने की जरूरत होगी।

कक्षा 1-5 की बुनियादी गणितीय दक्षताओं को तीन स्तरों में व्यवस्थित किया गया है—

स्तर 1— इसमें कक्षा 1-2 की बुनियादी दक्षताओं को क्रमवार रखा गया है।

स्तर 2— इसमें कक्षा 3-4 की बुनियादी दक्षताओं को क्रमवार रखा गया है।

स्तर 3— इसमें कक्षा 5 की बुनियादी दक्षताओं को क्रमवार रखा गया है।

इस तरह के स्तर विभाजन के प्रयोजन को ऐसे समझें— कक्षा 2 के बच्चों के साथ जब कार्य किया जाए तो कक्षा 1 की बुनियादी अवधारणाओं के दोहराव से शुरुआत करके आगे बढ़ते चले जाएँ ताकि पहले की अवधारणाओं की कमी सीखने को बाधित ना करे। यही बात हर कक्षा के लिए लागू होगी। कक्षा 1 के लिए चुनौती कुछ और अधिक होगी क्योंकि उन बच्चों का विद्यालय से ये प्रथम संपर्क होगा। इसीलिए तीनों स्तरों पर, और विशेषकर प्रथम स्तर पर गतिविधि-आधारित शिक्षण के माध्यम से ही कार्य करना होगा।

यह सामग्री हर स्तर पर उन दक्षताओं को चिह्नित करती है, जिन्हें इस अवधि में विकसित करना है। साथ ही ये इन दो महीनों के लिए आठ साप्ताहिक कार्य-योजनाएँ भी प्रस्तुत करती है, जिनके माध्यम से शिक्षक इस कार्य को छोटे पड़ावों के रूप में देख सकें। इसके अलावा यह उन दक्षताओं पर काम करने के लिए उपलब्ध सामग्री कहाँ-कहाँ से मिल सकती है, इसका भी एक ब्योरा देती है।

गणित विषय के माध्यम से बच्चों में कुछ महत्वपूर्ण क्षमताओं का विकास होना चाहिए जिनमें से कुछ हैं गणितीकरण, तार्किक सोच, समस्या-समाधान की क्षमता इत्यादि जो कि गणित शिक्षण के वृहद उद्देश्य हैं। इन उद्देश्यों की प्राप्ति तभी संभव है जब शिक्षक इस बात को लेकर सजग हों कि गणित केवल तेजी से हिसाब (computation) करना नहीं है। इसीलिए शिक्षक निम्न दोनों तरह के अभ्यास करवाएँ—

(1) गति बढ़ाने वाला (Repetition)—जिसमें कि एक मानक तरीके को दोहराया जाता है (जैसे कि जोड़ के लिए दो संख्याओं को एक के नीचे एक लिख कर पहले इकाई और फिर दहाई को जोड़ा जाता है)।

(2) समझ बढ़ाने वाला (Application) — जिसमें अवधारणा की समझ और उसका अलग-अलग परिस्थितियों में उपयोग शामिल है।




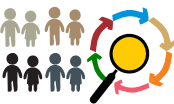




इसको कैसे करवाया जाये और इसके लिए उपयुक्त सामग्री का ब्योरा और वह पाठ्य-पुस्तक/संदर्शिका में कहाँ मिलेगी, इसको भी चिह्नित किया गया है। ये कार्य-योजनाएँ और सामग्री का ब्योरा प्रस्तावित किया गया है ताकि सीमित समय में इन स्तर-वार लक्ष्यों की पूर्ति हो सके। शिक्षक इसके अतिरिक्त अन्य सामग्री का चयन एवं प्रयोग अपने सीखने-सिखाने को और समृद्ध करने के लिए अवश्य ही कर सकते हैं।

इस सामग्री को आपके समक्ष प्रस्तुत करते हुए ये आशा है की इसके माध्यम से बच्चों के सीखने को इस प्रकार सुनियोजित किया जा सकेगा ताकि वे लघु समय अवधि में अधिक से अधिक सीख सकें।

लक्षित दक्षताएं और उप दक्षताएं

स्तर 3—अग्रिम संक्रियाएँ (जोड़, घटाव, गुणा और भाग)	
दक्षता	उप दक्षता
संख्या ज्ञान (1–999)	999 तक की संख्या स्थानीय मान—विस्तारित रूप में लिखना, इकाई—दहाई में लिखना (999 तक)
जोड़ व घटाव तीन अंको के साथ	तीन अंकों की दो संख्याओं का जोड़—बिना पुनर्समूहन के तीन अंकों की दो संख्याओं का जोड़ – पुनर्समूहन के साथ तीन अंकों की दो संख्याओं का घटाव – बिना पुनर्समूहन के तीन अंकों की दो संख्याओं का घटाव – पुनर्समूहन के साथ जोड़ व घटा का मानसिक व प्रतीकात्मक निरूपण
दो अंकीय संख्या का गुणा व भाग	शून्य व एक के साथ गुणा दो अंकीय संख्याओं का दो अंक की संख्याओं के साथ गुणा दस व दस के गुणज से गुणा वस्तुओं को समान समूह में बांटना व भाग की अवधारणा को समझना (999 तक) भाग के प्रतीक की पहचान (भाज्य, भाजक व भागफल) एकल चरण के भाग की प्रक्रिया को समझना (100 तक) दो अंकों की संख्या को एक अंक की संख्या से भाग (बिना शेषफल के)

आगामी दो माह की कार्य योजना के कुछ मुख्य पड़ाव

मुख्य पड़ाव	क्या किया जाना है																														
बच्चों का विद्यालय में आगमन।	पहले एक दो दिन बच्चों को सहज करें— बाल—गीत, कवितायें और गतिविधियां करवाएँ।																														
बेसलाइन आकलन।	<ul style="list-style-type: none"> दिये गए समग्र टूल का मौखिक, श्यामपट्ट, कक्षा कार्य द्वारा प्रत्येक बच्चे पर प्रयोग कर, आकलन करना। बच्चों के उत्तर का विश्लेषण और दक्षतावार सूचना को आकलन प्रपत्र में भरना। 																														
आकलन के आधार पर समूह बनाना 	<table border="1"> <thead> <tr> <th>कक्षा</th> <th>स्तर</th> <th>Baseline</th> <th>Endline</th> <th>सतत आकलन</th> </tr> </thead> <tbody> <tr> <td>कक्षा-1</td> <td>स्तर-1</td> <td>नहीं</td> <td>हाँ</td> <td>हाँ</td> </tr> <tr> <td>कक्षा-2</td> <td>स्तर-1</td> <td>नहीं</td> <td>हाँ</td> <td>हाँ</td> </tr> <tr> <td>कक्षा-3</td> <td>स्तर-2</td> <td>हाँ</td> <td>हाँ</td> <td>हाँ</td> </tr> <tr> <td>कक्षा-4</td> <td>स्तर-2</td> <td>हाँ</td> <td>हाँ</td> <td>हाँ</td> </tr> <tr> <td>कक्षा-5</td> <td>स्तर-3</td> <td>हाँ</td> <td>हाँ</td> <td>हाँ</td> </tr> </tbody> </table>	कक्षा	स्तर	Baseline	Endline	सतत आकलन	कक्षा-1	स्तर-1	नहीं	हाँ	हाँ	कक्षा-2	स्तर-1	नहीं	हाँ	हाँ	कक्षा-3	स्तर-2	हाँ	हाँ	हाँ	कक्षा-4	स्तर-2	हाँ	हाँ	हाँ	कक्षा-5	स्तर-3	हाँ	हाँ	हाँ
	कक्षा	स्तर	Baseline	Endline	सतत आकलन																										
कक्षा-1	स्तर-1	नहीं	हाँ	हाँ																											
कक्षा-2	स्तर-1	नहीं	हाँ	हाँ																											
कक्षा-3	स्तर-2	हाँ	हाँ	हाँ																											
कक्षा-4	स्तर-2	हाँ	हाँ	हाँ																											
कक्षा-5	स्तर-3	हाँ	हाँ	हाँ																											
समूह बनाना	<table border="1"> <thead> <tr> <th>कक्षा</th> <th>अधिकतम समूह</th> </tr> </thead> <tbody> <tr> <td>कक्षा-1</td> <td>1</td> </tr> <tr> <td>कक्षा-2</td> <td>1</td> </tr> <tr> <td>कक्षा-3</td> <td>2</td> </tr> <tr> <td>कक्षा-4</td> <td>2</td> </tr> <tr> <td>कक्षा-5</td> <td>3</td> </tr> </tbody> </table>	कक्षा	अधिकतम समूह	कक्षा-1	1	कक्षा-2	1	कक्षा-3	2	कक्षा-4	2	कक्षा-5	3																		
कक्षा	अधिकतम समूह																														
कक्षा-1	1																														
कक्षा-2	1																														
कक्षा-3	2																														
कक्षा-4	2																														
कक्षा-5	3																														
द्वि मासिक योजना	फोकस बुनियादी दक्षता और उप-दक्षता																														
 साप्ताहिक कार्य योजना SMTWTF S 1 2 3 4 5 6	उप-दक्षतावार दैनिक शिक्षण कालांश 1 (40 मिनट) अवधारणा निर्माण कालांश 2 (40 मिनट) अभ्यास कार्य 																														
 सतत आकलन	<ul style="list-style-type: none"> प्रत्येक दक्षता के शिक्षण कार्य के दौरान बच्चों का आकलन करना सूचना को सतत आकलन प्रपत्र में भरना 																														
आकलन के आधार पर समूह में बदलाव 	प्रत्येक कक्षा में स्तर के अनुरूप बनाए गए समूह में बच्चों की प्रगति या उनकी आवश्यकता के अनुसार बदलाव करना स्तर 1— मौखिक, कार्य पत्रक स्तर 2— मौखिक, कार्य पत्रक, श्यामपट्ट कार्य स्तर 3— मौखिक, कार्य पत्रक, कक्षा कार्य (प्रश्नों) को देकर																														
 एण्डलाइन	<ul style="list-style-type: none"> दिये गए समग्र टूल पर बच्चों का, मौखिक, श्यामपट्ट, कक्षा कार्य द्वारा आकलन करना। बच्चों के उत्तर का विश्लेषण और दक्षतावार सूचना को आकलन प्रपत्र में भरना। 																														



Remedial:

स्तर विवरण

कक्षा संचालन

आकलन

स्तर विवरण

स्तर-1	<ul style="list-style-type: none">• संख्या पूर्व ज्ञान• गिनती (1 से 50)• संख्या पैटर्न व (50 तक)• समूहीकरण की अवधारणा
स्तर-2	<ul style="list-style-type: none">• संख्या ज्ञान (1-100)• संख्या पैटर्न व (100 तक)• जोड़ व घटा दो अंकों के साथ• एक अंकीय संख्याओं का गुणा
स्तर-3	<ul style="list-style-type: none">• संख्या ज्ञान (1-999)• जोड़ व घटा तीन अंकों के साथ• दो अंकीय संख्या का गुणा भाग

कक्षा संचालन संबन्धित महत्वपूर्ण बिन्दु

- शिक्षक बच्चों को अपनी कक्षा में ही बैठाएंगे
- कक्षा 3, 4, 5 में बच्चों के उनके स्तर के अनुरूप समूह बनाकर योजनाबद्ध रूप से शिक्षण कार्य करेंगे।
- किसी बच्चे द्वारा निर्धारित समय से पहले दक्षता हासिल कर लेने की स्थिति में शिक्षक उसे अगले स्तर के समूह के साथ जोड़ेंगे।
- बच्चों के साथ उनके स्तर के बारे में कोई चर्चा या सूचना साझा नहीं की जाएगी। इसका उपयोग केवल शिक्षण कार्य को प्रभावी तरीके से करने तक सीमित रखा जाएगा।

आकलन

कक्षा	स्तर	Baseline	Endline	सतत आकलन	आकलन टूल
कक्षा 1-2	स्तर 1	नहीं	हाँ	हाँ	स्तर 1 के लिए उपलब्ध आकलन टूल
कक्षा 3-4	स्तर 2	हाँ	हाँ	हाँ	स्तर 1 के लिए उपलब्ध आकलन टूल स्तर 2 के लिए उपलब्ध आकलन टूल
कक्षा 5	स्तर 3	हाँ	हाँ	हाँ	स्तर 1 के लिए उपलब्ध आकलन टूल स्तर 2 के लिए उपलब्ध आकलन टूल स्तर 3 के लिए उपलब्ध आकलन टूल

समूह बनाना

कक्षा	अधिकतम समूह	समूह
कक्षा 1 और 2	1	समूह 1—सभी बच्चों अपनी कक्षा में एक ही समूह में रहें।
कक्षा 3 और 4	2	<p>समूह 1—बच्चे जो स्तर 1 के टूल के सभी प्रश्न नहीं कर पा रहे हैं।</p> <p>समूह 2 — बच्चे जो स्तर 1 के टूल के सभी प्रश्न कर पा रहे हैं स्तर 2 के टूल के सभी प्रश्न नहीं कर पा रहे हैं।</p>
कक्षा 5	3	<p>समूह 1 —बच्चे जो स्तर 1 के टूल के सभी प्रश्न नहीं कर पा रहे हैं</p> <p>समूह 2 — बच्चे जो स्तर 1 के टूल के सभी प्रश्न कर पा रहे हैं। लेकिन स्तर 2 के टूल के सभी प्रश्न नहीं कर पा रहे हैं।</p> <p>समूह 3—बच्चे जो स्तर 1 और 2 के टूल के सभी प्रश्न कर पा रहे हैं लेकिन स्तर 3 के टूल के सभी प्रश्न नहीं कर पा रहे हैं।</p>

Baseline

<p>कक्षा 1 और 2 :</p> <p>स्तर 1</p> <ul style="list-style-type: none"> कक्षा 1 और 2 में स्तर 1 के लिए Baseline आकलन नहीं किया जाएगा और सभी बच्चों अपनी कक्षा में एक ही समूह में रहेंगे। सभी बच्चों के साथ स्तर 1 के लिए लक्षित दक्षताओं और उप दक्षताओं पर कार्य किया जाएगा। 	<p>कक्षा 3 और 4 :</p> <p>स्तर 2</p> <ul style="list-style-type: none"> कक्षा 3 और 4 में स्तर 1 और 2 के लिए दिये गए टूल का उपयोग होगा और बच्चों को टूल में दिये गए निर्देश अनुसार अधिकतम 2 समूहों में उनके स्तर के अनुसार बांटा जाएगा। 	<p>कक्षा 5 :</p> <p>स्तर 3</p> <ul style="list-style-type: none"> कक्षा 5 में स्तर 1, 2 और 3 के लिए दिये गए टूल का उपयोग होगा और बच्चों को टूल में दिये गए निर्देश अनुसार अधिकतम 3 समूहों में उनके स्तर के अनुसार बांटा जाएगा।
--	--	---

- प्रत्येक बच्चे की जानकारी **Baseline - Endline** आकलन प्रपत्र में भरी जाएगी।

दैनिक शिक्षण योजना

दैनिक शिक्षण योजना मुख्य रूप से दो भागों में बाँट कर की जाएगी।

कालांश 1 (40 मिनट)	कालांश 2 (40 मिनट)
<p>अवधारणा निर्माण 15 मिनट – निर्देशित गतिविधि (पाठ्यपुस्तक और आधारशिला क्रियान्वयन संदर्शिका) 15 मिनट – गतिविधि (वर्क कार्ड, NCERT KIT और पोस्टर) 5 मिनट – गृह कार्य 5 मिनट – आकलन</p>	<p>अभ्यास सत्र 15 मिनट – गतिविधि (वर्क कार्ड, NCERT KIT और पोस्टर) 15 मिनट – कक्षा कार्य और कार्यपत्रक 5 मिनट – गृह कार्य 5 मिनट – आकलन</p> <hr/> <p>अभ्यास सत्र के दौरान कक्षा कार्य या कार्यपत्रक के माध्यम से न्यूनतम 15 मिनट के लिए लिखित कार्य आवश्यक रूप से कराई जाएगी।</p>

प्रोजेक्ट कार्य : बच्चों के सीखने-सिखाने की प्रक्रिया में अभिभावक व समुदाय को भागीदार बनाने के लिए प्रोजेक्ट कार्य बच्चों को दिया जाएगा

उदाहरण प्रोजेक्ट कार्य

प्रोजेक्ट कार्य : बच्चों के सीखने-सिखाने की प्रक्रिया में अभिभावक व समुदाय को भागीदार बनाना।

उद्देश्य : बच्चों के पूर्व ज्ञान को जोड़ते हुये कक्षा में सीखी अवधारणाओं का अपने परिवेश में उपयोग करना।

दैनिक जीवन समस्या समाधान व अभ्यास कार्य।

शिक्षक बच्चों को अपने आसपास समान संख्या में वस्तुओं के समूह वाली सामग्री का अवलोकन करने को कहेंगे।

जैसे :

1. पेड़/पौधे तीन पत्तियों का समूह।
 2. एक साइकिल में 2 पहिए तो 5 साइकिल में कितने पहिए।
- अपने परिवेश से ऐसे उदाहरणों की सूची बनाकर लानी है।

नोट :

बच्चों के अभिभावक बच्चों की इस कार्य में मदद करेंगे।

द्वि मासिक योजना

	दक्षता	उप दक्षता	शिक्षण दिवस
प्रथम महीना	संख्या ज्ञान (1-999)	999 तक की संख्या	6
		स्थानीय मान – विस्तारित रूप में लिखना, इकाई-दहाई में लिखना (999 तक)	3
	जोड़ व घटाव तीन अंको के साथ	तीन अंकों की दो संख्याओं का जोड़ – बिना पुनर्समूहन के	3
		तीन अंकों की दो संख्याओं का जोड़ – पुनर्समूहन के साथ	4
		तीन अंकों की दो संख्याओं का घटाव – बिना पुनर्समूहन के	2
		तीन अंकों की दो संख्याओं का घटाव – पुनर्समूहन के साथ	4
		जोड़ व घटा का मानसिक व प्रतीकात्मक निरूपण	2
द्वितीय महीना	दो अंकीय संख्या की गुणा व भाग	शून्य व एक के साथ गुणा	2
		दो अंकीय संख्याओं की दो अंक की संख्याओं के साथ गुणा	4
		दस व दस के गुणज से गुणा	2
		वस्तुओं को समान समूह में बांटना व भाग की अवधारणा को समझना (999 तक)	4
		भाग के प्रतीक की पहचान (भाज्य, भाजक व भागफल)	4
		एकल चरण के भाग की प्रक्रिया को समझना (100 तक)	5
		दो अंको की संख्या को एक अंक की संख्या से भाग (बिना शेषफल के)	3
			48



साप्ताहिक योजनायें

साप्ताहिक योजना -1

रक्षता	उप रक्षता	दि	कालांश 1 (40 मिनट)						कालांश 2 (40 मिनट)									
			प्राथमिक कक्षा	प्राथमिक कक्षा	प्राथमिक कक्षा	प्राथमिक कक्षा	प्राथमिक कक्षा	प्राथमिक कक्षा	प्राथमिक कक्षा	प्राथमिक कक्षा	प्राथमिक कक्षा	प्राथमिक कक्षा	प्राथमिक कक्षा	प्राथमिक कक्षा				
रक्षता	उप रक्षता	दि	1	C11,12,	C2,15,16	C2,43,44	अवधारणा बोर्ड, संख्या 666	अवधारणा बोर्ड, संख्या 666	C2,11,12	C2,15,16	C2,44,45	अवधारणा बोर्ड, संख्या 666	अवधारणा बोर्ड, संख्या 666	C2,11,12	C2,15,16	C2,44,45	अवधारणा बोर्ड, संख्या 666	अवधारणा बोर्ड, संख्या 666
			2	C2,13, 14,15,16	C2,17,18, 19,20	C2,46,47	(संख्या की पहचान, मात्रात्मक समस्या, संख्या नाम)	(संख्या की पहचान, मात्रात्मक समस्या, संख्या नाम)	C2,16,17, 18,19	C2,17, 18,19,20	C2,48 49	(संख्या की पहचान, मात्रात्मक समस्या, संख्या नाम)	(संख्या की पहचान, मात्रात्मक समस्या, संख्या नाम)	C2,16,17, 18,19	C2,17, 18,19,20	C2,48 49	(संख्या की पहचान, मात्रात्मक समस्या, संख्या नाम)	(संख्या की पहचान, मात्रात्मक समस्या, संख्या नाम)
			3	C2,11, से 19	C2,21,22, 23,24	C2,50,51	संख्या का हार्ड 'संख्या	संख्या का हार्ड 'संख्या	C2,21, 19	C2,21, 22, 23,24	C2,52,53	संख्या का हार्ड 'संख्या	संख्या का हार्ड 'संख्या	C2,21, 19	C2,21, 22, 23,24	C2,52,53	संख्या का हार्ड 'संख्या	संख्या का हार्ड 'संख्या
			4	C2,11, से 19	C2,11, से 19	C3,97	खेल मूल्यांकन, संख्याकांड	खेल मूल्यांकन, संख्याकांड	C2,11से 19	C2,11से 19	C3,99	खेल मूल्यांकन, संख्याकांड	खेल मूल्यांकन, संख्याकांड	C2,11से 19	C2,11से 19	C3,99	खेल मूल्यांकन, संख्याकांड	खेल मूल्यांकन, संख्याकांड
			5	दोहराव	दोहराव		संख्या का हार्ड 'संख्या	संख्या का हार्ड 'संख्या				संख्या का हार्ड 'संख्या	संख्या का हार्ड 'संख्या				संख्या का हार्ड 'संख्या	संख्या का हार्ड 'संख्या
			6	दोहराव	दोहराव													

C1-कक्षा 1, C2-कक्षा 2, C3-कक्षा 3, C4-कक्षा 4, C5-कक्षा 5

CMC 09-संख्या चार्ट



साप्ताहिक योजना - 2

दिनांक	विषय	कालांश 1 (40 मिनट)						कालांश 2 (40 मिनट)					
		कक्षा 1	कक्षा 2	कक्षा 3	कक्षा 4	कक्षा 5	कक्षा 6	कक्षा 1	कक्षा 2	कक्षा 3	कक्षा 4	कक्षा 5	कक्षा 6
1	स्थानीय मान-विरासि स्थानों का संरक्षण (99)	1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
2	स्थानीय मान-विरासि स्थानों का संरक्षण (99)	1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
3	स्थानीय मान-विरासि स्थानों का संरक्षण (99)	1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
4	स्थानीय मान-विरासि स्थानों का संरक्षण (99)	1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
5	स्थानीय मान-विरासि स्थानों का संरक्षण (99)	1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
6	स्थानीय मान-विरासि स्थानों का संरक्षण (99)	1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6

C1-कक्षा 1, C2-कक्षा 2, C3-कक्षा 3, C4-कक्षा 4, C5-कक्षा 5



साप्ताहिक योजना - 5

कक्षा		प्रश्न पर		प्रश्न		कालांश 1 (40 मिनट)		कालांश 2 (40 मिनट)			
शून्य व एक के साथ गुणा	1	दो अंकीय संख्याओं की दो अंक की संख्याओं के साथ गुणा	1	2	3	4	5	6	7	8	
			9	10	11	12	13	14	15	16	
			17	18	19	20	21	22	23	24	25
			26	27	28	29	30	31	32	33	34
			35	36	37	38	39	40	41	42	43
			44	45	46	47	48	49	50	51	52
53	54	55	56	57	58	59	60	61	62		
63	64	65	66	67	68	69	70	71	72		
73	74	75	76	77	78	79	80	81	82		
83	84	85	86	87	88	89	90	91	92		
93	94	95	96	97	98	99	100	101	102		

C1-कक्षा 1, C2-कक्षा 2, C3-कक्षा 3, C4-कक्षा 4, C5-कक्षा 5

CMC 09-संख्या चार्ट



साप्ताहिक योजना - 6

पक्ष	वर्ष	कालांश 1 (40 मिनट)						कालांश 2 (40 मिनट)									
		कालांश 1 (40 मिनट)	कालांश 2 (40 मिनट)	कालांश 3 (40 मिनट)	कालांश 4 (40 मिनट)	कालांश 5 (40 मिनट)	कालांश 6 (40 मिनट)	कालांश 1 (40 मिनट)	कालांश 2 (40 मिनट)	कालांश 3 (40 मिनट)	कालांश 4 (40 मिनट)	कालांश 5 (40 मिनट)	कालांश 6 (40 मिनट)				
दस व दस के गुणज से गुणा	1	C3,34	C3,46	C4,41,42	C4,37,40	C5,28	C5,30	C3,34	C4,41,42	C5,28	C2,38से 42	C3,36,39	41,42				
वस्तुओं को समान समूह में बांटना व भाग की अवधारणा को समझना	2	C4,41,42	C4,37,40	C5,28	C5,30												
	3	C2,38, 39,40															
	4	C3,36,39	C2,54														
	5	C3,36,39, C2,54															
	6	दोहराव															

C1-कक्षा 1, C2-कक्षा 2, C3-कक्षा 3, C4-कक्षा 4, C5-कक्षा 5

CMC 12-चित्र द्वारा भाग की अवधारणा को समझना



साप्ताहिक योजना - 7

वर्ष	भाग के प्रतीक की पहचान (भाज्य, भाजक व भागफल) (साधारण भाग के उदाहरण के द्वारा)	संख्या	कालांश 1 (40 मिनट)				कालांश 2 (40 मिनट)						
			वर्ष	कक्षा	कालांश	कक्षा	वर्ष	कक्षा	कालांश	कक्षा			
2023-24	1	1	वर्ष										
			कक्षा										
			कालांश										
			वर्ष										
			कक्षा										
			कालांश										
2023-24	2	2	वर्ष										
			कक्षा										
			कालांश										
			वर्ष										
			कक्षा										
			कालांश										
2023-24	3	3	वर्ष										
			कक्षा										
			कालांश										
			वर्ष										
			कक्षा										
			कालांश										
2023-24	4	4	वर्ष										
			कक्षा										
			कालांश										
			वर्ष										
			कक्षा										
			कालांश										
2023-24	5	5	वर्ष										
			कक्षा										
			कालांश										
			वर्ष										
			कक्षा										
			कालांश										
2023-24	6	6	वर्ष										
			कक्षा										
			कालांश										
			वर्ष										
			कक्षा										
			कालांश										

C1-कक्षा 1, C2-कक्षा 2, C3-कक्षा 3, C4-कक्षा 4, C5-कक्षा 5

CMC 09-संख्या चार्ट



साप्ताहिक योजना - 8

प्रश्न	विवरण	कालांश 1 (40 मिनट)						कालांश 2 (40 मिनट)						
		प्रश्न संख्या	विवरण	विवरण	विवरण	विवरण	विवरण	विवरण	विवरण	विवरण	विवरण	विवरण		
		1	C3,40-43	C3,52,53	C2,129,132	C2,129,132	C3,40-43	C3,52,53	C2,129,132	C2,129,132	C3,40-43	C3,52,53	C2,129,132	C2,129,132
		2	C4,48	C2,47-50	C2,129,132	C2,129,132	C3,36-43	C2,47-50	C2,129,132	C3,36-43	C2,47-50	C2,129,132	C2,129,132	
		3	दोहराव				C4,48							
		4	C2,41,42				C2,41,42				C2,41,42	C2,48,49		
		5	C2,41,42	C2,48-52	C2,129,132	C2,129,132	C2,41,42	C2,48-52	C2,129,132	C2,41,42	C2,48,49	C2,129,132	C2,129,132	
		6	दोहराव				दोहराव							

C1-कक्षा 1, C2-कक्षा 2, C3-कक्षा 3, C4-कक्षा 4, C5-कक्षा 5

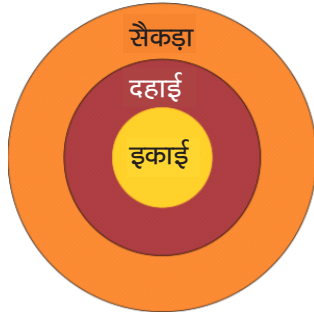
CMC 09-संख्या चार्ट

लक्षित उप-दक्षताओं का विवरण

दक्षता – संख्या ज्ञान 1 - 999

उपदक्षता – 999 तक की संख्या (संख्या की पहचान, मात्रात्मक समझ, संख्या नाम)।

टिप्पणी : बच्चे 999 तक की संख्याओं को पहचान सकते हैं, तुलना कर सकते हैं और इस आधार पर उन्हें क्रम में लगा सकते हैं।



गतिविधि : चित्र की तरह 3 संकेंद्रीय वृत्त कक्षाकक्ष के अंदर खींचकर सबसे बाहरी वाले वृत्त को सैकड़ा, मध्य को दहाई, तथा अंदर के वृत्त को इकाई मानते हुए कुछ निश्चित दूरी से बच्चों के द्वारा एक-एक करके कंकड़/पत्थर डालने को कहेंगे तथा डाले गए कंकड़ की गिनती करके श्यामपट्ट पर इकाई-दहाई व सैकड़ा के कॉलम के नीचे लिखकर बनी संख्या को बोलने/शब्दों में लिखने को कहेंगे। इसी प्रकार बच्चे क्रमशः नई संख्या निर्माण करते हुए संख्याएं सीखेंगे। इकाई-दहाई व सैकड़े के स्थान के अनुसार छोटे-बड़े अंक के आधार पर तुलना करते हुए उनमें अंतर करते हुए छोटी-बड़ी संख्या का ज्ञान करते हुए क्रम से लगाना सीखेंगे।

नोट : कंकड़ों की संख्या 09 से अधिक नहीं रखेंगे। यदि किसी वृत्त में एक भी कंकड़ नहीं पड़ता है तो उसके कॉलम में शून्य लिखेंगे।

आकलन : शिक्षक डाले गए कंकड़ों की संख्या, उसका उचित वृत्त व बनी संख्या का उच्चारण के मानक को ध्यान में रखेंगे।

ध्यानाकर्षण तकनीक – सभी को शामिल करना, समूह कार्य व अभ्यास के अवसर देना।

दक्षता – संख्या ज्ञान 1 -999

उपदक्षता – स्थानीय मान – विस्तारित रूप में लिखना, इकाई–दहाई में लिखना (999 तक)।

टिप्पणी : संख्या में अंक के स्थान विशेष द्वारा मान का ज्ञान/संख्या का विस्तारित मान।

संख्या 255 में अंक 5 दो बार है, पर दोनों का स्थान भिन्न होने के कारण दोनों 5 के स्थान विशेष मान (स्थानीय मान) भिन्न हैं।

गतिविधि : शिक्षक बोर्ड पर एक संख्या लिखते हुए अथवा गोल घेरे में बच्चों को खड़ा करके जमीन पर संख्या पट्टी रखेंगे तथा उस संख्या को इकाई पट्टी, दहाई पट्टी तथा सैकड़ा पट्टी से ढक कर स्थान विशेष पर स्थित अंक के स्थानीय मान को बताया जाएगा।

2	5	5
0	0	5
0	5	0
2	0	0
0	0	

पट्टी निर्माण : 1– इकाई के स्थान की पट्टी में केवल इकाई के स्थान पर 1 से 9 तक अंक होंगे शेष स्थान पर 0 होंगे।

2– दहाई के स्थान की पट्टी में 10, 20, 30, 90 तक लिखेंगे।

3– सैकड़े की पट्टी के लिए 100, 200, 300, 900 तक लिखेंगे।

नोट : विस्तारित मान के लिए अंकों के प्राप्त स्थानीय मान के मध्य '+' निशान लगाकर श्यामपट्ट पर शिक्षक द्वारा स्पष्ट किया जाएगा। जैसे 255 का विस्तारित मान $200 + 50 + 5$

आकलन : शिक्षक कक्षा के प्रत्येक बच्चे को संख्या पट्टी पर स्थानीय मान पट्टी को रखकर अंक के सही मान को आकलन करते हुए मदद करेंगे।

ध्यानाकर्षण तकनीक – सभी को शामिल करना, समूह कार्य, टीएलएम का उपयोग व अभ्यास के अवसर देना।

दक्षता – जोड़ व घटाव तीन अंको के साथ

उपदक्षता – तीन अंको की दो संख्याओं का योग (बिना पुनर्समूहन के साथ) ।

टिप्पणी : पुनर्समूहन का तात्पर्य है की दहाई को 10 इकाई में बदला जा सके और 10 इकाई को मिलाकर दहाई में बदल लें आवश्यकतानुसार, जिन्हें हम हासिल लगाना भी कहते हैं ।

गतिविधि :

शिक्षण सामग्री : तीलियाँ, कंकड़, पत्तियां, कंचे, छोटी गेंदे, आदि ।

प्रक्रिया :

शिक्षक सभी बच्चों को छोटे समूह में बांटते हुए उन्हें तीलियों का बंडल देंगे तथा 3 अंकों की दो संख्याओं से एक योग का प्रश्न निर्मित करने को कहेंगे । बच्चे दोनों संख्याओं को इकाई, दहाई, सैकड़ा के स्थान के ऊपर-नीचे लिखेंगे तथा शिक्षक प्रत्येक समूह में इकाई के स्थान वाली गिनती पहले ऊपरी संख्या, फिर नीचे वाली संख्या, पूछेंगे तथा दो अलग-अलग बच्चों से उन गिनती को गिनते हुए तीलियाँ लेने को कहेंगे । पुनः उन्हें मिलाकर गिनते हुए प्राप्त गिनती को इकाई के स्थान के नीचे लिखने को कहेंगे । इसी प्रकार दहाई व सैकड़े के लिए प्रक्रिया का प्रयोग करते हुए योग प्राप्त करेंगे ।

उक्त प्रक्रिया को दोहराते हुए प्रत्येक समूह से प्रत्येक बच्चे के द्वारा तीन अंक वाली दो संख्याओं का जोड़ बिना पुनर्समूहन के दिखाएगा ।

आकलन :

शिक्षक छात्रों की प्रक्रिया को ध्यान से देखेंगे तथा जानेंगे कि क्या बच्चे योग सीख रहे हैं ।

अन्य :

संख्याडॉट्स कार्ड का प्रयोग करके प्रश्न निर्माण तथा हल प्राप्त करने में शिक्षक सहयोग कर सकते हैं ।

ध्यानाकर्षण तकनीक : सभी को शामिल करना, समूह कार्य व अभ्यास के अवसर देना ।

दक्षता – जोड़ व घटाव तीन अंको के साथ

उपदक्षता – तीन अंको की दो संख्याओं को जोड़ना (पुनर्समूहन के साथ)।

टिप्पणी : पुनर्समूहन का तात्पर्य है कि दहाई को 10 इकाई में बदला जा सके और 10 इकाई को मिलाकर दहाई में बदल लें आवश्यकतानुसार, जिन्हें हम हासिल लगाना भी कहते हैं।

गतिविधि : संसाधन : तीलियाँ, रबड़ बैंड व तीलियों के दहाई व सैकड़ों के बंडल।

प्रक्रिया : ध्यानाकर्षण मॉड्यूल में दी गई शिक्षण तकनीकी, समूह कार्य, परिवेशीय संसाधनों का उपयोग तथा अभ्यास के अवसर देने के प्रयोग शिक्षक करेंगे।

शिक्षक सभी बच्चों को छोटे समूहों में विभाजित करते हुए उन्हें तीलियाँ तथा रबड़ बैंड देंगे।

तीन अंक वाली दो संख्याओं को दिया जाएगा जिसमें जोड़ने के दौरान पुनर्समूहन की स्थिति आती हो। शिक्षक पूर्व की भांति ऊपर वाली दोनों संख्याओं के इकाई के अंकों को चुनने को कहेंगे तथा उतनी तीलियाँ लेने को कहेंगे। दो बच्चे उक्त कार्य करेंगे। दोनों की तीलियों को तीसरे बच्चे को देते हुए गिनवाया जाएगा। तीलियों की संख्या 10 से अधिक होगी। अतः उनके पुनर्समूहन की आवश्यकता होगी। शिक्षक बच्चों से 10 तीलियों का बंडल तथा शेष खुली तीलियों को प्राप्त करते हुए समझ पैदा करेंगे कि खुली तीली के बराबर का अंक इकाई के स्थान के नीचे लिखना है तथा 10 तीली का बंडल = 1 दहाई जिसे अगली दहाई की गिनतियों में शामिल करते हुए आगे की प्रक्रिया को पूर्ण करना है।

आकलन : एक वस्तु = एक इकाई, 10 इकाई = 1 दहाई तथा 10 दहाई = एक सैकड़ा का आकलन शिक्षक प्रक्रिया के मध्य करेंगे तथा छात्रों को उचित सहयोग प्रदान करेंगे।

ध्यानाकर्षण तकनीक : सभी को शामिल करना, टीएलएम का उपयोग, समूह कार्य व अभ्यास के अवसर देना।

नोट : 1 – शिक्षक योग की प्रक्रिया लंबवत रूप में चौकोर खानों की तालिका की मदद से उक्त प्रक्रिया से कराएं।

	सैकड़ा	दहाई	इकाई
पहली संख्या			
दूसरी संख्या			
योगफल			

दक्षता – जोड़ व घटाव तीन अंको के साथ

उपदक्षता – तीन अंको की दो संख्याओं का घटाव-बिना पुनर्समूहन के।

टिप्पणी : पुनर्समूहन का तात्पर्य है कि दहाई को 10 इकाई में बदला जा सके और 10 इकाई को मिलाकर दहाई में बदल लें आवश्यकतानुसार, जिन्हें हम हासिल लगाना भी कहते हैं।

गतिविधि :

शिक्षण सामग्री : तीलियों, कंकड़, पत्तियां, कंचे, छोटी गेंदे, आदि।

प्रक्रिया : शिक्षक सभी बच्चों को छोटे समूह में बांटते हुए उन्हें तीलियों का बंडल देंगे तथा 3 अंक की दो संख्याओं से एक घटाव का प्रश्न निर्मित करने को कहेंगे। बच्चे दोनों संख्याओं को इकाई, दहाई, सैकड़ा के स्थान के नीचे ऊपर-नीचे लिखेंगे तथा शिक्षक इस बात पर बच्चों का ध्यान आकर्षित करेंगे कि बड़ी संख्या को ऊपर लिखेंगे और लिखते समय ये भी ध्यान रखेंगे कि इकाई के नीचे इकाई, दहाई के नीचे दहाई व सैकड़े के नीचे सैकड़ा आना चाहिए। वस्तुओं की सहायता से ऊपर वाली संख्या की इकाई में से नीचे वाली संख्या की इकाई की वस्तुएं हटा देंगे, इसी प्रकार दहाई में से दहाई व सैकड़े में से सैकड़ा हटाया जाएगा। शेष बची संख्या घटाव के बाद का उत्तर होगी।

उक्त प्रक्रिया को दोहराते हुए प्रत्येक समूह से प्रत्येक बच्चे के द्वारा तीन अंक वाली दो संख्याओं का घटाव बिना पुनर्समूहन के करवाएँगे।

आकलन : शिक्षक छात्रों की प्रक्रिया को ध्यान से देखेंगे तथा जानेंगे कि क्या बच्चे घटाव सीख रहे हैं?

अन्य : संख्याडॉट्स कार्ड का प्रयोग करके प्रश्न निर्माण तथा हल प्राप्त करने में शिक्षक सहयोग कर सकते हैं।

ध्यानाकर्षण तकनीक – सभी को शामिल करना, समूह कार्य व अभ्यास के अवसर देना।

दक्षता – जोड़ व घटाव तीन अंको के साथ

उपदक्षता – तीन अंको की दो संख्याओं का घटाव (पुनर्समूहन के साथ)।

टिप्पणी : पुनर्समूहन का तात्पर्य है कि दहाई को 10 इकाई में बदला जा सके और 10 इकाई को मिलाकर दहाई में बदल लें आवश्यकतानुसार, जिन्हें हम हासिल लगाना भी कहते हैं।

गतिविधि : **संसाधन :** तीलियाँ, रबड़ बैंड व तीलियों के दहाई व सैकड़ों के बंडल।

प्रक्रिया : ध्यानाकर्षण मॉड्यूल में दी गई शिक्षण तकनीकी, समूह कार्य, परिवेशीय संसाधनों का उपयोग तथा अभ्यास के अवसर देने के प्रयोग शिक्षक करेंगे। $456 - 367 =$

शिक्षक सभी बच्चों को छोटे समूहों में विभाजित करते हुए उन्हें तीलियाँ तथा रबड़ बैंड देंगे।

तीन अंक वाली दो संख्याओं को दिया जाएगा जिसमें घटाव के दौरान पुनर्समूहन की स्थिति आती हो। शिक्षक घटाव की प्रक्रिया स्पष्ट करेंगे। बड़ी संख्या को ऊपर लिखा जाएगा, यहाँ ऊपर वाली संख्या का इकाई का अंक नीचे वाली संख्या के इकाई के अंक से छोटा है, अतः उनके पुनर्समूहन की आवश्यकता होगी।

शिक्षक दहाई की एक संख्या से एक दहाई लेंगे और उसे 10 इकाई में बदल लेंगे, जैसे उपरोक्त उदाहरण में पुनर्समूहन के बाद 16 इकाई व 4 दहाई रह जायेंगे, 16 इकाई में से 7 इकाई को घटा लेंगे, अब 4 दहाई में से 6 दहाई को घटाने के लिए फिर से पुनर्समूहन की आवश्यकता होगी, बायीं तरफ से एक सैकड़े को दस दहाई में बदल लेंगे, अब 3 सैकड़े व 14 दहाई हो जाएंगी, 14 दहाई में से 6 दहाई घट जाएंगी और 3 सैकड़े में से 3 सैकड़ा को घटा लिया जाएगा।

बच्चे जिन संख्याओं में शून्य आता है वहाँ भी गलतियाँ कर देते हैं, शून्य की अवधारणा पर पुनः ठोस संदर्भों पर कार्य करने से बच्चे इस तरह की गलतियों से बच सकते हैं। यह गलतियाँ संख्या की समझ, खास कर स्थानीय मान से सम्बन्धित, को भी दर्शाती हैं। इसके लिए जरूरी है कि शिक्षक प्रश्न को इस प्रकार पढ़ें—सत्तर में से 35 घटाओ—ऐसा करने से बच्चे अंकों से संक्रिया करते हुए भी संख्या को समझ सकेंगे।

70	or	407
-35		-154
40		353

आकलन : एक वस्तु=एक इकाई, 10 इकाई=1 दहाई तथा 10 दहाई=एक सैकड़ा का आकलन शिक्षक प्रक्रिया के मध्य करेगा तथा छात्रों को सहयोग प्रदान करेगा।

ध्यानाकर्षण तकनीक – सभी को शामिल करना, टीएलएम का उपयोग, समूह कार्य व अभ्यास के अवसर देना।

दक्षता – जोड़ व घटाव तीन अंको के साथ

उपदक्षता – जोड़ व घटाव – मानसिक व प्रतीकात्मक निरूपण।

टिप्पणी : मानसिक व प्रतीकात्मक निरूपण से तात्पर्य इबारती प्रश्नों की समझ बनाकर उन्हें जोड़ व घटाव से हल करने से है।

गतिविधि : बच्चों को अलग-अलग छोटे समूह में देने हेतु जोड़ व घटा इबारती प्रश्न पढ़िकाएँ।

गतिविधि की प्रक्रिया : शिक्षक बच्चों को छोटे समूह में विभाजित करके जोड़ घटाव के प्रश्नों की एक पढ़िका को वितरित करके उन्हें पढ़कर समझ बनाने को कहेगा कि उक्त प्रश्न का हल प्राप्त करने हेतु जोड़ करना होगा अथवा घटाव करना होगा तथा प्रश्न का हल प्राप्त करने को कहेंगे।

आकलन : शिक्षक बड़े समूह में प्रत्येक समूह का बारी-बारी से अभ्यास पुस्तिका पर हल किए गए प्रश्न की प्रक्रिया का आकलन करेंगे कि बच्चे ने सही हल प्राप्त करने के लिए किस संक्रिया का प्रयोग किया है।

दक्षता – दो अंकीय संख्या का गुणा व भाग

उपदक्षता – शून्य व एक के साथ गुणा।

टिप्पणी : 1. किसी संख्या में 0 से गुणा करने पर गुणनफल शून्य होता है।

$$15 \times 0 = 0$$

2. किसी संख्या में एक का गुणा करने पर गुणनफल वहीं संख्या प्राप्त होती है।

$$25 \times 1 = 25$$

गतिविधि : किसी भी संख्या को शून्य से गुणा करने पर शून्य ही मिलता है, इस अवधारणा को बच्चों को सिखाने के लिए कई तरह की गतिविधियाँ की जा सकती हैं। उदाहरण के लिए तीन बॉक्स हैं और हर एक बॉक्स में पाँच-पाँच लड्डू हैं तो कुल 3 गुणा 5 पन्द्रह लड्डू होंगे। इसी तरह तीन बॉक्स में एक भी लड्डू ना होने पर तीन गुणा एक भी नहीं मतलब तीन गुणा शून्य-एक भी लड्डू बॉक्स में नहीं होगा,।



$$3 \text{ बॉक्स, } 5 \text{ लड्डू} = 15 \text{ लड्डू, } 3 \times 5 = 15$$



$$3 \text{ बॉक्स, } 0 \text{ लड्डू} = 0 \text{ लड्डू, } 3 \times 0 = 0$$

आकलन : बच्चे 0 व 1 से किसी संख्या के गुणनफल को समझ लेते हैं।

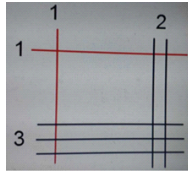
ध्यानाकर्षण तकनीक – सभी को शामिल करना, टीएलएम का उपयोग, समूह कार्य व अभ्यास के अवसर देना।

दक्षता – दो अंकीय संख्या की गुणा व भाग

उपदक्षता – दो-अंकीय संख्या के साथ दो अंक की संख्या का गुणा ।

टिप्पणी :

बच्चों को मानक तरीके से गुणा लिखना सीखने को चरणबद्ध तरीके से सिखाना सरल रहता है, ऐसा करने से बच्चे मानक तरीके के कारण को भी जान पाते हैं उदाहरण के लिए—

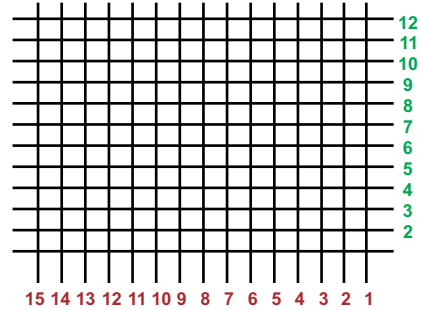


यहाँ काले रंग की स्टिक इकाई के लिए व लाल रंग की स्टिक दहाई को दर्शाने के लिए उपयोग की गई है। लाल के प्रतिछेदन बिन्दु कितने हैं— 1 (इतने सैकड़े) लाल और काली के प्रतिछेदन बिन्दु कितने हैं— $3+2=5$ (इतनी इकाइयाँ) गुणनफल = 156

$$\begin{array}{r} 12 \\ \times 13 \\ \hline 1(3+2)6 \\ \text{or } 156 \end{array}$$

गतिविधि :

- 1— $24 \times 12 = 24 \times 10 + 24 \times 2$
 $= 240 + 48 = 288$
- 2— $34 \times 13 =$
 $= 34 \times \dots + 34 \times 3$
 $= \dots + 102$
 $= \dots$
- 3— 12×15



प्रक्रिया :

बारह क्षैतिज लाइनें एवं 15 खड़ी लाइनें चित्रानुसार खींचकर कटान बिंदु गिन कर लिखेंगे। (यह गतिविधि जमीन पर रेखाएं खींचकर की जा सकती है।)

संसाधन :

सीक

आकलन :

दो अंको को दो अंको की संख्या से गुणा कर लेते हैं।

ध्यानाकर्षण तकनीक – सभी को शामिल करना, टीएलएम का उपयोग, समूह कार्य व अभ्यास के अवसर देना।

दक्षता – दो अंकीय संख्या की गुणा व भाग

उपदक्षता – दस व दस के गुणज से गुणा।

गतिविधि :

A. $15 \times 10 =$

B. $35 \times 100 =$

C. $38 \times 1000 =$

D. $25 \times$ $= 25000$

प्रक्रिया : किसी भी संख्या में 10 या 10 के गुणज से गुणा करने पर उस संख्या को 10 की गुणज वाली संख्या के अशून्य अंक/अंको से प्राप्त गुणनफल के आगे उतने ही 0 लग जाते हैं जितने कि 10 के गुणज में हैं।

आकलन : बच्चे 10, 100, 1000, तथा अन्य 10 के गुणज से गुणा को आसानी से समझ लेते हैं।

ध्यानाकर्षण तकनीक – सभी को शामिल करना, टीएलएम का उपयोग, समूह कार्य व अभ्यास के अवसर देना।

दक्षता – दो अंकीय संख्या की गुणा व भाग

उपदक्षता – वस्तुओं को समान समूह में बांटना व भाग की अवधारणा को समझना। (999 तक)

टिप्पणी : वस्तुओं को समान समूह में बांटना ही 'भाग' कहलाता है।

गतिविधि :

संसाधन : कुछ गोलियाँ, कंकड़, पत्तियाँ, टॉफियाँ आदि

प्रक्रिया : शिक्षक सभी छात्रों को घेरे में बैठाते हैं। शिक्षक 12 टॉफियाँ समूह के सामने रखते हैं। अब शिक्षक बच्चों को निम्न निर्देश देते हैं—

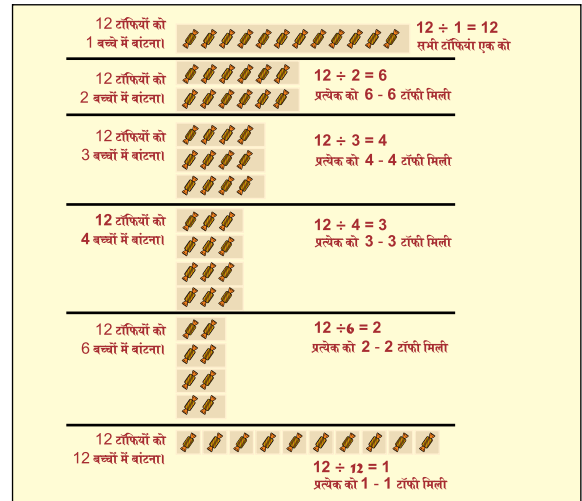
12 टॉफियों को दो बच्चों में बांटना।

12 टॉफियों को तीन बच्चों में बांटना।

12 टॉफियों को 4 बच्चों में बांटना।

12 टॉफियों को 6 बच्चों में बांटना।

12 टॉफियों को 12 बच्चों में बांटना।



आकलन : आधारशिला क्रियान्वयन संदर्शिका, कक्षा दो के पृष्ठ संख्या 128 के आधार पर आकलन किया जा सकता है। कंकड़, पत्तियों, गोलियों आदि को बच्चे 2 बच्चों, 3 बच्चों, 4, 5, 6 बच्चों के समूह में बांटकर भाग को कर पाते हैं।

अन्य : कार्यपुस्तिका कक्षा 2 के पृष्ठ 45 से भी आकलन किया जा सकता है।

ध्यानाकर्षण तकनीक – सभी को शामिल करना, टीएलएम का उपयोग, समूह कार्य व अभ्यास के अवसर देना।

दक्षता – दो अंकीय संख्या की गुणा व भाग

उपदक्षता – भाग के प्रतीक की पहचान (भाज्य, भाजक व भागफल)

टिप्पणी : बच्चे भाज्य, भाजक व भागफल की अवधारणा समझ सकें ।

शिक्षण सामग्री : कुछ गोलियाँ, कंकड़, पत्तियाँ, टॉफियाँ, मनके आदि ।

गतिविधि : शिक्षक बच्चों से कंचे को बराबर भागों में बाँटते हुए श्यामपट्ट पर लिखते हैं

6 कंचों को 3 बराबर भाग में बाँटने पर 2 तीन बार

10 कंचों को 2 बराबर भाग में बाँटने पर 5 दो बार

भाग की संक्रिया को दोहराते हुए अंत में शिक्षक बच्चों को श्यामपट्ट पर भाग के प्रतीकों से पहचान करवाते हैं ।

$$6 \div 3 = 2$$

$$10 \div 2 = 5$$

जिस संख्या में भाग दिया जाता है वह भाज्य कहलाती है ।

जिस संख्या से भाग दिया जाता है, वह भाजक कहलाती है ।

भाग देने पर जो परिणाम प्राप्त होता है, वह भागफल कहलाता है

आकलन : शिक्षक बच्चे को श्यामपट्ट पर या कॉपी में अभ्यास प्रश्नों को हल करवाकर भाग के प्रतीकों के नाम लिखवाते हैं ।

(एक प्रतिदर्श प्रश्न का हल जिसमें भाज्य, भाजक, भागफल लिखा हो श्यामपट्ट पर हल लिखा रहेगा)

जैसे – 60 मनकों को 12 बच्चों में बाँटते हैं । सभी बच्चों को 5-5 मनके मिल जाते हैं और शेष शून्य रह जाता है । यहाँ 60 भाज्य है, 12 भाजक है व 5 भागफल है ।

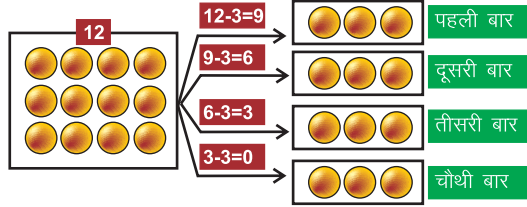
ध्यानाकर्षण तकनीक – सभी को शामिल करना, टीएलएम का उपयोग, समूह कार्य व अभ्यास के अवसर देना ।

दक्षता – दो अंकीय संख्या की गुणा व भाग

उपदक्षता – एकल चरण के भाग की प्रक्रिया को समझना (100 तक)।

टिप्पणी : एक ही संख्या को किसी संख्या में से एक से अधिक बार घटाने को भाग के रूप में अभिव्यक्त किया जा सकता है।

गतिविधि : **प्रक्रिया :** आइये एक उदाहरण से इसको समझते हैं, रेशमी के पास 12 लड्डू हैं, उसके साथ उसकी दो दोस्त भी हैं, रेशमी लड्डूओं को तीनों में बराबर-बराबर बांटना चाहती है, इस समस्या को हम चित्र की तरह दिखा सकते हैं—



तीन-तीन लड्डू 12 में से कम करते जाएंगे,
हम देखते हैं की 4 बार में 12 के 12 लड्डू बंट जाएंगे,
एक और उदाहरण देखते हैं।

समीना के पास 12 लड्डू हैं और तीन बॉक्स हैं, समीना तीनों बॉक्स में बराबर-बराबर लड्डू को रखना चाहती है, एक बॉक्स में कितने लड्डू आएंगे।

चित्र की तरह इसे हल करके दिखाया जा सकता है।

कुछ विशेष शब्द जिनके उपयोग से बच्चे सरलता से पहचान लेते हैं कि इस संदर्भ / इबारती प्रश्न में भाग की संक्रिया होनी है—

तोड़ना, अनुपात, भाग करना, औसत, भागफल, बराबर बंटवारा, समान भाग में विभाजित करना, कितनी बार इत्यादि।

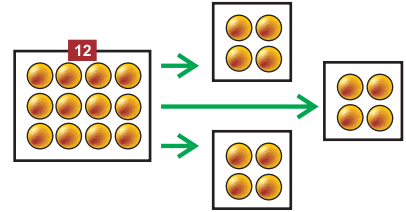
प्राथमिक स्तर पर हम बच्चों के दैनिक जीवन के अनुभवों से जोड़ते हुए सिखाने की शुरुआत करते हैं। फिर ठोस वस्तुओं के साथ गतिविधियों की सहायता से अवधारणा पर काम करते हैं। भाग की अवधारणा पर भी इसी तरह कार्य करने की आवश्यकता है।

आकलन : बच्चे भाग की अवधारणा व प्रक्रिया को समझ सकें। सवालियों और गतिविधियों के माध्यम से आकलन करेंगे।

आइये एक उदाहरण को देखते हैं—आपके पास 21 लड्डू हैं और चार बॉक्स हैं। आपको चारों बॉक्स में समान लड्डू रखने हैं, कितने लड्डू शेष रह जाएंगे?

समस्या यह है कि 21 लड्डू को 4 बॉक्स में बराबर-बराबर बांटना है? हम देखते हैं की

बराबर बांटने पर प्रत्येक बॉक्स में 5-5 लड्डू आएंगे, और एक लड्डू शेष रह जाएगा। भाग की अवधारणा की शुरुआत के लिए "लाला जी ने लड्डू खाये" वाला खेल भी करवाया जा सकता है।



ध्यानाकर्षण तकनीक – सभी को शामिल करना, टीएलएम का उपयोग, समूह कार्य व अभ्यास के अवसर देना।

दक्षता – दो अंकीय संख्या की गुणा व भाग

उपदक्षता – दो अंको की संख्या को एक अंक की संख्या से भाग (बिना शेषफल के)।

संसाधन : टॉफियाँ, या कांच की गोलियाँ।

प्रक्रिया : राधा के पास 20 टॉफियाँ हैं। वह इन्हें अपने पांच दोस्तों में बराबर-बराबर बांटना चाहती है। उसने एक-एक कर टॉफी बांटी। इस तरह चार बार में पूरी टॉफी बंट गई। प्रत्येक के पास गिन कर देखा सबके पास 4 टॉफी है।



अर्थात् $20 \div 5 = 4$

उदाहरण : एक दर्जी के पास 45 बटन है वह उन्हें 9 कमीजों में लगाना चाहता है एक कमीज में कितनी बटन लगेंगी।

1- $32 \div 4 =$

2- $20 \div \dots = 4$

3- $27 \div 3 =$

4- $18 \div 2 =$

आकलन : बच्चे दो अंको की संख्या में 1 अंक की भाग की प्रक्रिया समझ लेते हैं।

ध्यानाकर्षण तकनीक – सभी को शामिल करना, टीएलएम का उपयोग, समूह कार्य व अभ्यास के अवसर देना।

आकलन टूल- निर्देशः (Baseline और Endline)



- बच्चे एक लंबे समय के बाद स्कूल आ रहे होंगे इसलिए यह आवश्यक है कि आकलन से पहले कुछ समय सहज वातावरण निर्माण में लगाया जाये—बालगीत, कहानी, संवाद, खेल व गतिविधि इस हेतु उपयोग में लायी जा सकती है।
- सवालों के चयन में विविधता का ध्यान रखा गया है जिससे जरूरी दक्षताओं व उप-दक्षताओं का आकलन किया जा सके और इसके अनुसार शिक्षक अपनी शिक्षण योजना बना सकें।
- शिक्षक इस आकलन को ब्लैक बोर्ड पर प्रश्न लिखकर सरलता से कर पाएंगे।
- यह टूल बच्चों को समूह में उनके स्तर अनुसार विभाजित करने में मदद करेगा।

स्तर 1: कुल प्रश्न 5

स्तर 2: कुल प्रश्न 5

स्तर 3: कुल प्रश्न 5

कक्षावार टूल का उपयोग

कक्षा 1 और 2 : Baseline आकलन नहीं किया जाएगा। Endline आकलन किया जाएगा। कक्षा में सभी बच्चे एक ही समूह में रहेंगे।

कक्षा 3 और 4 : बच्चे स्तर 1 और 2 के सभी प्रश्नों को करेंगे। कक्षा में अधिकतम दो समूह बनाए जाएंगे।

कक्षा 5: बच्चे स्तर 1, 2 और 3 के सभी प्रश्नों को करेंगे। कक्षा में अधिकतम तीन समूह बनाए जाएंगे।

किसी भी प्रश्न में अंक नहीं दिये जाएंगे, शिक्षक A/ B कोड उत्तर के अनुसार देंगे—

A: दक्षता प्राप्त है

B: दक्षता नहीं प्राप्त है

- स्तर के सभी प्रश्नों के सही उत्तर दिये जाने पर ही किसी बच्चे का उस स्तर को पूरा किया जाना माना जाएगा।
- बच्चों को कार्य करने के लिए पर्याप्त समय दिया जाये।
- शिक्षक baseline और endline आकलन में बच्चों द्वारा किए गए कार्यों का दक्षतावार विवरण दिये गए आकलन प्रपत्र में भरेंगे।

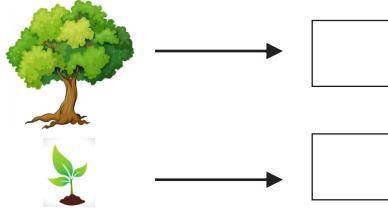
Endline: आकलन के लिए भी यही टूल उपयोग में लाया जाएगा, जरूरत पड़ने पर प्रश्नों की प्रकृति बिना बदले संख्या/वस्तुओं को बदला जा सकता है।

स्तर -1

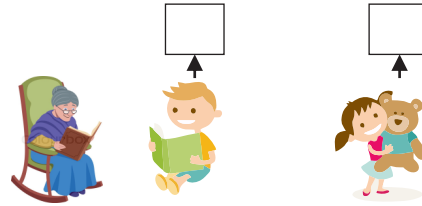
आकलन टूल

प्रश्न संख्या - 1

देखो और छोटे पर दिये गये बॉक्स में निशान लगाओ—

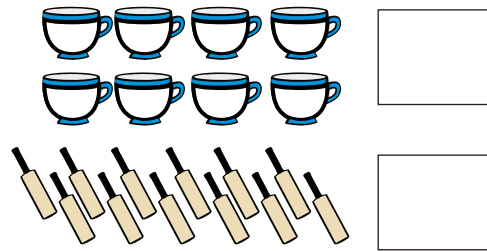
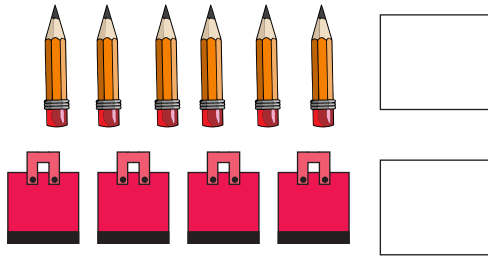


दादी से जो दूर है उप पर निशान लगाएं—



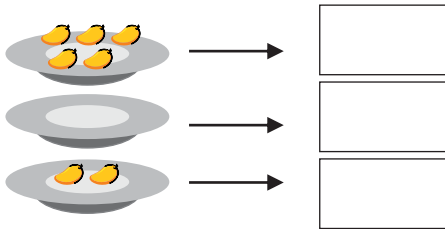
प्रश्न संख्या - 2

गिनो और संख्या को बॉक्स में लिखो—

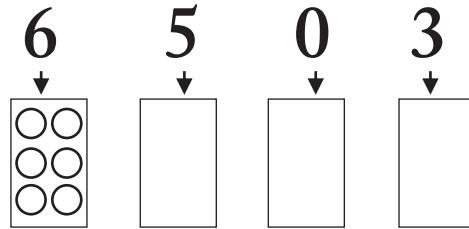


प्रश्न संख्या - 3

आम गिने बॉक्स में संख्या लिखें—

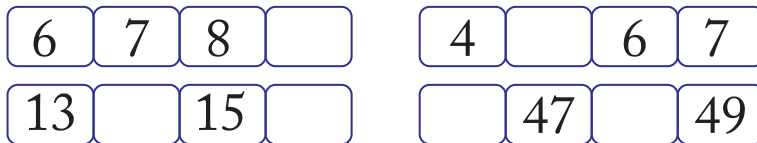


दिये गये संख्या के बराबर बॉक्स में गोला बनाएं—



प्रश्न संख्या - 4

छूटी संख्याओं को बॉक्स में लिखो—



प्रश्न संख्या -5 निम्न संख्याओं के अंकों को स्थानीय मान के अनुसार लिखो—

	दहाई	इकाई
23		
27		
7		

स्तर-2

प्रश्न संख्या - 6

निम्न संख्याओं के अंकों को स्थानीय मान के अनुसार लिखो-

	सैकड़ा	दहाई	इकाई
87			
69			
90			
100			

प्रश्न संख्या - 7

संख्याओं के अनुसार सही चिन्ह चयनकर बॉक्स में भरें-

चयन के लिए चिन्ह <, >, =

$13 \square 17$

$23 \square 23$

$18 \square 15$

$9 \square 12$

संख्या पैटर्न पूरा करें-

$4, 6, 8, 10, \underline{\quad}$

$5, 10, 15, \underline{\quad}, 25$

प्रश्न संख्या - 8

जोड़ो-

$$\begin{array}{r} 23 \\ + 26 \\ \hline \end{array}$$

$$\begin{array}{r} 52 \\ + 30 \\ \hline \end{array}$$

$$\begin{array}{r} 68 \\ + 27 \\ \hline \end{array}$$

प्रश्न संख्या - 9

घटाओ-

$$\begin{array}{r} 26 \\ - 12 \\ \hline \end{array}$$

$$\begin{array}{r} 48 \\ - 23 \\ \hline \end{array}$$

$$\begin{array}{r} 50 \\ - 17 \\ \hline \end{array}$$

प्रश्न संख्या - 10

गुणा कर लिखो-

$5 \times 3 = \square$

$4 \times 7 = \square$

$6 \times 4 = \square$

$8 \times 5 = \square$

स्तर-3

प्रश्न संख्या – 11

निम्न संख्याओं के अंकों को स्थानीय मान के अनुसार लिखो—

	सैकड़ा	दहाई	इकाई
37			
49			
341			
832			

प्रश्न संख्या – 12

जोड़ो—

$\begin{array}{r} 47 \\ + 35 \\ \hline \end{array}$	$\begin{array}{r} 67 \\ + 23 \\ \hline \end{array}$	$\begin{array}{r} 567 \\ + 356 \\ \hline \end{array}$	$\begin{array}{r} 823 \\ + 164 \\ \hline \end{array}$
---	---	---	---

प्रश्न संख्या – 13

घटाओ—

$\begin{array}{r} 32 \\ - 18 \\ \hline \end{array}$	$\begin{array}{r} 53 \\ - 26 \\ \hline \end{array}$	$\begin{array}{r} 353 \\ - 279 \\ \hline \end{array}$	$\begin{array}{r} 548 \\ - 313 \\ \hline \end{array}$
---	---	---	---

प्रश्न संख्या – 14

गुणा कर लिखो—

$\begin{array}{r} 27 \\ \times 5 \\ \hline \end{array}$	$\begin{array}{r} 60 \\ \times 8 \\ \hline \end{array}$	$\begin{array}{r} 35 \\ \times 17 \\ \hline \end{array}$
---	---	--

प्रश्न संख्या – 15

भाग करो—

$4 \overline{) 36}$	$6 \overline{) 73}$
$7 \overline{) 105}$	$8 \overline{) 82}$

आकलन प्रपत्र / Baseline & Endline

		Baseline					Endline								
		स्तर-1		स्तर-2		स्तर-3	स्तर-1		स्तर-2		स्तर-3				
		संख्या पूर्व ज्ञान	संख्या 1 से 50	संख्या पैटर्न (50 तक)	समूहीकरण की अवधारणा	संख्या ज्ञान (1-100)	संख्या पैटर्न (100 तक)	जोड़ (दो अंकों के साथ)	घटाव (दो अंकों के साथ)	दो अंकीय संख्या का गुणा	संख्या ज्ञान (1-999)	जोड़ (तीन अंकों के साथ)	घटाव (तीन अंकों के साथ)	दो अंकीय संख्या का गुणा	दो अंकीय संख्या का भाग
		1	2,3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15
	आकलन टूल प्रश्न संख्या														
	नाम														
क्रम															
1															
2															
3															
4															
5															
6															
7															
8															
9															
10															
11															
12															

प्रत्येक बच्चे को उनके दक्षता के अनुसार ग्रेड (A/B) दें।

नोट : किसी दक्षता के लिए दिए गये सभी प्रश्न के सही उत्तर देने पर ग्रेड-A दें। A- दक्षता प्राप्त है B - दक्षता नहीं प्राप्त है

उपदक्षता—स्तर 3

नाम	999 तक की संख्या	स्थानीय मान-विस्तारित रूप में लिखना, इकाई-दहाई में लिखना (999 तक)	तीन अंको की दो संख्याओं का जोड़-बिना पुनर्समूहन के	तीन अंको की दो संख्याओं का जोड़-पुनर्समूहन के साथ	तीन अंको की दो संख्याओं का घटाव-बिना पुनर्समूहन के	तीन अंको की दो संख्याओं का घटाव-पुनर्समूहन के साथ	जोड़ व घटा का मानसिक व प्रतीकात्मक निरूपण	शून्य व एक के साथ गुणा	दो अंकीय संख्याओं की दो अंक की संख्याओं के साथ गुणा	दस व दस के गुणज से गुणा	वस्तुओं को समान समूह में बांटना व भाग की अवधारणा को समझना (999 तक)	भाग के प्रतीक की पहचान (भाज्य, भाजक व भागफल)	एकल चरण के भाग की प्रक्रिया को समझना (100 तक)	दो अंको की संख्या को एक अंक की संख्या से भाग (बिना शेषफलक)
	1													
2														
3														
4														
5														
6														
7														
8														
9														
10														
11														
12														
13														
14														
15														
16														
17														
18														
19														
20														
21														
22														
23														
24														

प्रत्येक बच्चे को उनके उपदक्षता के अनुसार ग्रेड (A/B) दें।

A - उपदक्षता प्राप्त है

B - उपदक्षता नहीं प्राप्त है

नोट: उपदक्षताओं के लिए शिक्षक स्वयं प्रश्न बनाए और बच्चों का आकलन करे।

उपदक्षताओं के आकलन के लिए **Baseline/Endline** के लिए दिए गये प्रश्नों का उपयोग न करें।

सत्र 2020-21

उत्तर प्रदेश बेसिक शिक्षा परिषद



निःशुल्क वितरण हेतु

समग्र शिक्षा, उ.प्र.